जुड़ें सभी आज अभी

Piramal Foundation

सुनिश्चित करें ▶

जन्म के साथ ही माँ का (पहला पीला गाढ़ा) दूध और स्वास्थ्य केंद्र में नवजात शिशु का वज़न

नवजात के जीवन की सही शुरुआत, शिशु के वज़न व पहले पीले–गाढ़े दूध के साथ!

साथियों, आप सभी के योगदान से आज संस्थागत प्रसव बढ़ रहा है परंतु अभी भी हमारे सामने दो चुनौतियां हैं। पहली- बहुत से बच्चों को जन्म के पहले घंटे में माँ का पीला गाढ़ा दूध नहीं मिल पाता है, दूसरी- जन्म के तुरंत बाद नवजात का वज़न नहीं किया जाता है जिस कारण आप सभी की मेहनत के बावजूद हम बच्चों की शारीरिक वृद्धि का सही आकलन नहीं कर पा रहे हैं। आप सबको माता और उनके परिवार को प्रेरित करना होगा ताकि वह अपने बच्चे को जन्म के तुरंत बाद यह दोनों अधिकार सफलता पूर्ण दिला सकें।

नवजात शिशु के जन्म के पहले घंटे से हो शुरू स्तनपान

बाधाएं ⚠

- धारणा है कि कोलोस्ट्रम गंदा है और बच्चे के लिए लाभकारी नहीं है।
- स्तनपान से पहले करने वाले रीति-रिवाज़ या परंपरा जैसे घुट्टी, शहद या पानी पिलाना।
- पहले प्रसव के वक्त माँ को नवजात के लिए अपना दूध पिलाने में कठिनाई आना।
- कई बार अस्पताल में मौजूद सेवाप्रदाता प्रसव के बाद नवजात को स्तनपान करवाने के लिए माँ को प्रोत्साहित नहीं करते।

क्या करें?

नवजात के माता–पिता व घर के बड़ों को यह जानकारी दें –

- ☑ माँ के पहले पीले गाढ़े दूध से बच्चे का उचित शारीरिक व मानसिक विकास होता है।
- ☑ नवजात शिशु का पाचन तंत्र पूरी तरह विकसित नहीं होता इसलिए उसे जन्म के एक घंटे के भीतर सिर्फ माँ का पीला गाढ़ा दूध देना चाहिए पानी, शहद या घुट्टी नहीं।
- ☑ नवजात का जन्म होते ही उसे माँ का पहला पीला गाढ़ा दूध पिलाने से होने वाले लाभ के बारे में बताएं और उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित करें।
- ☑ माँ का पीला गाढ़ा दूध नवजात शिशु के लिए पहला टीकाकरण है, सुनिश्चित करें कि किसी का भी यह सुनहरा मौका न चूके।
- ☑ यदि माँ को दूध न आए तो वह स्वास्थ्य केंद्र में मदद की मांग करें।
- ☑ यदि भविष्य में स्तनपान कराते समय माँ को कोई भी दिक्कत आए तो उसे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा तथा ए.एन.एम. दीदी से तुरंत संपर्क करने को कहें।
- ☑ कम वज़न वाले बच्चों की माताओं को स्तनपान के संबंध में विशेष सलाह दें - उन्हें कंगारू मदर केयर (KMC) के बारे में बताएं एवं करवाने में सहायता करें और अधिक बार स्तनपान कराने के लिए प्रोत्साहित करें।

(एम.सी.पी. कार्ड, पृष्ठ 10 की तरफ कार्यकर्ताओं का ध्यान आकर्षित करें)।

स्वास्थ्य केंद्र में नियमित रूप से शिशु के वज़न का रखें ध्यान

बाधाएं

- लोगों को जानकारी नहीं है कि अस्पताल में जन्म के तुरंत बाद नवजात शिशुओं का वज़न किया जाता है।
- लोगों का अस्पताल में सेवाप्रदाता से अपने अधिकारों की मांग करने में संकोच होना।
- एम.सी.पी. कार्ड में नवजात शिशु का वज़न दर्ज़ करने की मांग न करना।

क्या करें?

कार्यकर्ता, माँ और परिवार वालों को पहले से निम्नलिखित जानकारी दें–

- हर नवजात शिशु का वज़न करवाना आवश्यक है।
- यह वज़न एम.सी.पी. कार्ड में दर्ज़ करना ज़रूरी है क्योंकि इससे नवजात की सही वृद्धि की जानकारी मिलती है और उसी अनुसार उसके पोषण और सही विकास को सुनिश्चित किया जा सकता है।
- उन्हें बताएं कि नवजात शिशु का जन्म के समय ही अस्पताल में वज़न करवाना उनका हक है, वज़न करवाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें।

पृष्ठ 3

(एम.सी.पी. कार्ड, पृष्ठ 3,7 की तरफ दर्शकों का ध्यान आकर्षित करें)।

प्रसव के बाद मौजूद कार्यकर्ता और नवजात के माता–पिता व परिवार वाले अस्पताल में निम्नलिखित बातें सुनिश्चित करें

नवजात शिशु का अस्पताल में वज़न किया गया हो।	नवजात का वज़न एम.सी.पी. कार्ड में दर्ज़ हुआ हो।	नवजात के माता-पिता को नवजात का वज़न पता हो और उस वज़न के अनुसार बच्चे को दी जाने वाली ज़रूरी देख रेख की जानकारी हो।

साल में कई बच्चों का संस्थागत प्रसव होता है। यदि हम इन सभी बच्चों के लिए माँ का पीला गाढ़ा दूध व जन्म के साथ ही वज़न करवा, एम.सी.पी. कार्ड में दर्ज़ करवाना सुनिश्चित करें तो हर साल भारत में लाखों बच्चों की जान बचाई जा सकती है इसलिए आपका हर योगदान अमूल्य है।

नवजात शिशु को मिलें माँ के दूध व वज़न से जुड़े अधिकार सभी, चलो करे यह सुनिश्चित आज–अभी!

अपने क्षेत्र में नवजात शिशु को स्तनपान और कम वज़न वाले बच्चों की स्थिति जाने आशा, ए.एन.एम., आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को ज़रूरी मार्गदर्शन प्रदान करें।